पावागिरीजी में वार्षिक मेला का भव्य आयोजन संपन्न

विशाल जैन, पवा। तालबेहट (ललितपुर) सिद्ध क्षेत्र पावागिरीजी में राष्ट्रसंत आचार्य प्रवर विद्यासागरजी महाराज के मंगलमय आशीर्वाद से प.पू. वात्सल्य मूर्ति मुनि श्री सुव्रत सागरजी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुए वार्षिक मेला कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रह्मचारी संजय भैया एवं प्रतिष्ठाचार्य पं. पवन कुमार शास्त्री दीवान मुरैना ने जिनदेवाज्ञा, शासनदेवाहवानविधि, गुर्वाज्ञालंभनविधि का आयोजन विधि विधान से कराया। वार्षिक मेला के प्रथम दिन प्रात: नित्यमय अभिषेक पूजन के बाद यागमंडल विधान का आयोजन हुआ जिसमें यज्ञनायक बंगालीमल राजकुमार जैन, सौधर्म इन्द्र विकासकुमार पूर्णावत परिवार, ईशान इन्द्र नेतराम रुपेश कुमार, सनतकुमार इन्द्र शिखरचंद्र कड़ेसरा, माहेन्द्र इन्द्र प्रेमचन्द्र नयाखेड़ा, कुबेर इन्द्र डालचन्द्र अजय कुमार सहित अनेक इन्द्र–इन्द्राणियों ने अर्घ चढ़ाये एवं हवन में कर्मों की निर्जरा के लिए 108 आहूतियाँ दी। इस अवसर पर प.पू. वात्सल्य मूर्ति मुनि सुव्रत सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मा का शुद्धात्मा बनाने का लक्ष्य निर्धारित कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करने पर ही सच्ची प्रभावना होगी,जिसमें युवाओं को जोशी और वृद्धों का होश मिलने पर ही जैन धर्म का जयघोष होगा। मंगल घटयात्रा का आयोजन किया गया, महिलायें सिर पर कलश लेकर मंगल गीत गाते हुए चल रही थी। यात्रा मूलनायक भगवान के दरबार से प्रारंभ हुयी तथा क्षेत्र प्रांगण में स्थित कुएँ से जल लेकर क्षेत्र की परिक्रमा करते हुए मानस्तंभ प्रांगण में पहुँची जहाँ मंत्रोच्चार के साथ नव निर्मित मानस्तम्भ एवं कलश–ध्वजा शुद्धि तथा मानस्तम्भ संस्कार विधि का आयोजन किया गया। अंतिम दिन प्रात: क्षेत्र के इतिहास में पहली बार मुनि सुव्रत सागर की प्रेरणा से मंत्रोच्चार के साथ अतिशय युक्त चमत्कारी बाबा मूलनायक भगवान पारसनाथ का 1008 कलशों द्वारा महामस्तिकाभिषेक कराया। जिसमें रमेश चन्द्र महावीर ट्रांसपोर्ट बीना सौधर्मइन्द्र, संजय कुमार बाबूलाल जैन शान्ति मोटर इन्दौर ईशानइन्द्र,

निर्मल कुमार अशोक कुमार शान्ति सीड्स भोपाल सनतकुमार इन्द्र तथा प्रसन्न कुमार अंकुर कॉलोनी सागर माहेन्द्र इन्द्र बने। तत्पश्चात पूजन विधान के बाद समस्त शिखरों पर ध्वजारोहण एवं स्वर्णभद्र, गुणभद्र, वीरभद्र और मणिभद्र मुनिराजों का निर्माण महोत्सव निर्वाण लाडू चढ़ाकर मनाया। इस अवसर पर मुनि सुव्रतसागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोक्ष मार्ग प्रशस्त करने के लिए निर्वाण महोत्सव मनाया जाता है। जब हमें देव, शास्त्र, गुरु तीनों की शरण मिलती है, तब हमें रत्नत्रय की प्राप्ति होती है। दोपहर में ज्ञानद्वीप प्रज्वलन परम संरक्षक अनिल जैन गंजबासौदा ने किया, संतोष कुमार अरिहंत बिहार विदिशा ने श्रीजी के ऊपर छत्र चंवर स्थापित किये। क्षेत्र के संरक्षक श्री कैलाशचन्द्र विश्व परिवार सहित विद्वतगण दयाचंद शास्त्री, उत्तमचंद्र राकेश, पं. विजय कृष्ण, विनोदकुमार शास्त्री आदि ने आचार्य ज्ञानसागर पर जारी डाक टिकट का विमोचन कर केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

क्षेत्र के वार्षिक अधिवेशन के बाद विमलकुमार, सलिल कुमार, संजय जैन बीना ने मानस्तंभ पर कलशारोहण किया। विमानोत्सव के कार्यक्रम में श्री जी की शोभायात्रा भगवान पारसनाथ के दरबार से प्रारंभ हुयी तथा क्षेत्र की परिक्रमा करती हुयी प्रांगण में स्थित पाण्डुकशिला पर पहुंची, जिसमें सबसे आगे मुनिश्री, धर्मध्वजा लेकर युवा उनके पीछे श्री जी को विमान में लेकर इन्द्रगण तथा उनके ठीक पीछे भारी संख्या में पुरुष और महिलाएँ सत्य अहिंसा के नारे लगाते हुए चल रहे थे। श्रावक श्रेष्ठी प्रेमचन्द्र डबरा ने ध्वजारोहण किया, पाण्डुकशिला पर सौधर्म इन्द्र सुमत कुमार बडैरा, ईशान इन्द्र पर्व पंचरत्न कुरवई सनतकुमार इन्द्र आशीष जैन बरौदास्वामी, माहेन्द्र इन्द्र संतोष जैन विदिशा सहित अनेक इन्द्र–इन्द्राणियों ने विधि विधान से कलशाभिषेक तथा सेठ कपूर चन्द्र लागौन ने शांतिधारा का आयोजन किया।

23 नवम्बर को विघ्नहरण पारसनाथ महामंडल विधान के साथ वार्षिक मेला का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोदी बच्चूलाल, शांतिकुमार गंजबासौदा, सत्येन्द्र जैन अहमदाबाद, कोमलचन्द्र जैन, बाहुबली जैन, चन्द्रकुमार जैन इन्दौर, ऋषभ कुमार, प्रवीण कुमार झांसी, सुकमाल विरधा, राजकुमार पवा, अरुण कुमार, राजीव जैन सिंघई सुमत, राकेश मोदी, विनोद बैरागी, आनंदकुमार, महेन्द्र जैन, रवीन्द्र जैन, अखलेश पृथ्वीपुर, प्रसन्न प्रवीणकुमार, विकास जैन, सौरभ कड़ेसरा, मनीष जैन, मेघराज जैन, प्रकाशचन्द्र, अभिषेक जैन, नरेन्द्रकुमार, सुरेन्द्र कुमार, पुष्पेन्द्र, रवि जैन, विशाल पवा आदि का सहयोग रहा। संचालन ज्ञानचंद्र पुरा एवं आभार व्यक्त क्षेत्रमंत्री जयकुमार कंधारी एवं प्रेमचन्द्र नयाखेड़ा ने संयुक्त रुप से किया।

डी. लिट् उपाधि प्राप्त होने पर किया गया सम्मान

अजय जैन, खतौली। स्थानीय श्री कुन्द कुन्द जैन पी.जी. कालेज में संस्कृत विभागाध्यक्ष सुप्रसिद्ध चिंतक/लेखक डॉ. कपूरचंद जैन का डी.लिट् उपाधि प्राप्त करने पर दिगम्बर जैन महासमिति संभाग खतौली एवं सभी स्थानीय ईकाइयों द्वारा सामूहिक रुप से सम्मान किया गया। ज्ञातव्य है कि डॉ. जैन को वीर कुंवर विश्वविद्यालय आरा (बिहार) ने 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज का योगदान' ग्रंथ लिखने पर डी.लिट् की उपाधि से अलंकृत किया है। इस ग्रंथ में पूरे भारत के जैन समाज द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने का वर्णन है। शहीदों/महिलाओं, जेलयात्रियों आदि का परिचय फोटो सहित दिया गया है।

स्थानीय श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर, प्रांगण में आयोजित सम्मान समारोह की अध्यक्षता श्री रामकुमार जैन ने की, मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्री पारस जैन थे। संचालन मंत्री अध्यापक विनोद कुमार जैन, डॉ. ज्योति जैन और श्री विजेन्द्र कुमार जैन (बैंक वाले) ने संयुक्त रुप से किया। डॉ. जैन का परिचय विनोद कुमार जैन ने और प्रशस्ति पत्र का वाचन विजेन्द्रकुमार ने किया। डॉ. ज्योति जैन ने अनेक संस्मरण सुनाये। श्री जिनेन्द्रकुमार जैन, दिल्ली एवं श्री हरिशचंद्र जैन ने शॉल, अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र भेंट किये। सभी ईकाइयों के अध्यक्ष, मंत्रियों का भी सम्मान हुआ।

समाज गौरव

परम पूज्य राष्ट्रसंत श्वेत पिच्छाचार्य श्री विद्यानंदजी के शिष्य एलाचार्य श्री वसुनंदीजी मुनिराज के सानिध्य में 25 महिलाओं का सम्मान जम्बूस्वामी तपोस्थली (बौलाखेड़ा) जिला भरतपुर (राज.) में किया गया, जिसमें **श्रीमती भारती पत्नी श्री प्रमोदकुमार जैन** निवासी पन्ना का सम्मान किया गया। आपके इस सम्मान से पन्ना जैन समाज के साथ साथ गोलालारीय समाज भी गौरवांवित करा है। आपकी इस उपलब्धि पर गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाईयाँ।

श्री मेहेर जैन ने आई.आई.टी.जे.ई. की परीक्षा में चयनित होने के बाद अपने कैरियर के लिये अंतरिक्ष प्रोद्योगिकी के क्षेत्र को चुना एवं भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान त्रिवेन्द्रम से वर्ष 2012 में बी.टेक की डिग्री प्राप्त की। आप वर्तमान में भारती अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र अहमदाबाद में इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। आप विदिशा निवासी इंजी. विनयकुमार जैन (केवलारी वाले) एवं प्रोफेसर किरण जैन के सुपुत्र है व देवास निवासी नवनीत–मंजू जैन के भतीजे है। गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से आपको हार्दिक शुभकामनाएँ।

''ऊँचे गिरी से जो गिरे, मरे एक ही बार।
जो चारित्र गिरी से गिरे, बिगड़े जनम हजार।।''
''नर भव पाकर हे सखा, नेक करे कछु काम।
दान दया व्रत तप करो पायो चिर विश्राम।।''
– कमला जैन, ललितपुर